जनसंख्या अध्ययन की परिभाषा

1. प्रस्तावना

जनसंख्या अध्ययन समाजशास्त्र की एक महत्वपूर्ण शाखा है, जिसमें मानव जनसंख्या के **आकार, संरचना, वितरण, वृद्धि तथा परिवर्तन** का व्यवस्थित अध्ययन किया जाता है। इसमें यह समझने का प्रयास किया जाता है कि जनसंख्या में होने वाले परिवर्तन समाज की सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संरचना को किस प्रकार प्रभावित करते हैं।

सरल शब्दों में—

जनसंख्या अध्ययन वह व्यवस्थित अध्ययन है जिसमें मानव जनसंख्या के आकार, संरचना, वितरण तथा समय के साथ होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन किया जाता है।

2. प्रमुख विद्वानों द्वारा परिभाषाएँ

(क) डोनाल्ड जे. बोग के अनुसार

जनसंख्या अध्ययन में **जनसंख्या के आकार, संरचना और वितरण तथा उनमें होने वाले परिवर्तनों** का अध्ययन किया जाता है। इन परिवर्तनों को जन्म, मृत्यु, प्रवासन तथा सामाजिक गतिशीलता जैसी प्रक्रियाएँ प्रभावित करती हैं।

(ख) फ्रैंक डब्ल्यू. नोटेस्टीन के अनुसार

जनसंख्या अध्ययन मुख्यतः जनसंख्या की **वृद्धि, संरचना और परिवर्तन** को समझने से संबंधित है तथा इन परिवर्तनों के सामाजिक एवं आर्थिक परिणामों का अध्ययन करता है।

(ग) हाउज़र एवं डंकन के अनुसार

जनसंख्या अध्ययन का संबंध जनसंख्या के **आकार, वितरण, संरचना तथा परिवर्तन** से है और इसमें परिवर्तन के प्रमुख घटकों—**प्रजनन, मृत्यु और प्रवासन**—का अध्ययन किया जाता है।

3. जनसंख्या अध्ययन में क्या-क्या पढ़ा जाता है?

जनसंख्या अध्ययन केवल जनसंख्या की संख्या जानने तक सीमित नहीं है। इसके अंतर्गत मुख्यतः निम्न विषयों का अध्ययन किया जाता है—

1. जनसंख्या का आकार

किसी देश, राज्य या क्षेत्र में कितने लोग निवास करते हैं।

2. जनसंख्या की वृद्धि

समय के साथ जनसंख्या किस गति से बढ़ रही है या घट रही है।

3. जनसंख्या का वितरण

जनसंख्या विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में किस प्रकार वितरित है।

4. जनसंख्या घनत्व

किसी निश्चित क्षेत्र में रहने वाली जनसंख्या की मात्रा।

5. आयु संरचना

जनसंख्या में बच्चों, युवाओं, वयस्कों और वृद्धों का अनुपात।

6. लिंग संरचना

पुरुषों और महिलाओं का अनुपात।

7. प्रजनन

महिलाओं द्वारा जन्म दिए जाने वाले बच्चों की संख्या एवं उससे संबंधित प्रवृत्तियाँ।

8. मृत्यु

जनसंख्या में मृत्यु की दर, उसके कारण और उससे संबंधित परिवर्तन।

9. प्रवासन

लोगों का एक स्थान से दूसरे स्थान पर अस्थायी या स्थायी रूप से जाना।

10. वैवाहिक संरचना

जनसंख्या में विवाहित, अविवाहित, विधवा, विधुर तथा तलाकशुदा व्यक्तियों का वितरण।

4. जनसंख्या अध्ययन की सरल परिभाषा

विद्यार्थियों के लिए इसे इस प्रकार याद किया जा सकता है—

“जनसंख्या अध्ययन मानव जनसंख्या के आकार, वृद्धि, संरचना, वितरण और परिवर्तन का वैज्ञानिक अध्ययन है।”

याद रखने की सरल युक्ति

आकार + वृद्धि + संरचना + वितरण + परिवर्तन = जनसंख्या अध्ययन

5. जनसंख्या अध्ययन और जनांकिकी में अंतर

दोनों शब्दों का प्रयोग कई बार समान अर्थ में किया जाता है, लेकिन इनके दृष्टिकोण में अंतर है।

जनांकिकी मुख्यतः जनसंख्या के **मात्रात्मक एवं सांख्यिकीय पक्ष** का अध्ययन करती है, जैसे जन्मदर, मृत्यु दर, प्रजनन दर, आयु-संरचना और प्रवासन।

जबकि **जनसंख्या अध्ययन** अपेक्षाकृत व्यापक है। इसमें जनसंख्या संबंधी आँकड़ों के साथ-साथ उनके **सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक प्रभावों** का भी अध्ययन किया जाता है।

निष्कर्ष

इस प्रकार, जनसंख्या अध्ययन एक व्यापक अंतर्विषयी क्षेत्र है, जो यह समझने का प्रयास करता है कि **जनसंख्या में होने वाले परिवर्तन समाज को कैसे प्रभावित करते हैं और सामाजिक परिस्थितियाँ स्वयं जनसंख्या की प्रवृत्तियों को किस प्रकार प्रभावित करती हैं।**